

## हृदी दविस

भारत के प्रधानमंत्री ने हृदी दविस के अवसर पर कहा क हृदी भाषा ने भारत को वशिव सृतर पर वशिष सम्मान दलिया है और इसकी सादगी और संवेदनशीलता हमेशा लोगों को आकर्षित करती है ।

### हृदी दविस के पीछे का इतहास:

- वर्ष 1949 में भारत की संवधान सभा द्वारा हृदी को आधिकारिक भाषा के रूप में अपनाने के दिन को चहिनति करने के लयि भारत में प्रत्येकवर्ष **14 सतिंबर को हृदी दविस या राष्ट्रीय हृदी दविस** मनाया जाता है ।
- भारत की आधिकारिक भाषा के रूप में हृदी का उपयोग करने का नरिणय **26 जनवरी, 1950** को भारत के संवधान द्वारा लया गया था तथा भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू द्वारा इस दिन को **हृदी दविस** के रूप में मनाने का फैसला कया गया था ।
- हृदी भाषा **आठवीं अनुसूची में भी शामिल** है ।
- हृदी शास्त्रीय भाषा नहीं है ।
- अनुच्छेद 351 'हृदी भाषा का प्रचार एवं उत्थान' से संबंधित है ।

### हृदी को बढ़ावा देने हेतु सरकार की पहल:

- केंद्रीय हृदी नदिशालय की स्थापना वर्ष 1960 में भारत सरकार द्वारा शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत हृदी को बढ़ावा देने और प्रचारित करने के लयि की गई थी ।
- भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद ने हृदी भाषा को बढ़ावा देने के लयि वदिशों में वभिन्न विश्वविद्यालयों/संस्थानों में '**हृदी चेयर**' की स्थापना की है ।
- लीला-राजभाषा (आर्टफिशियल इंटेलिजेंस के माध्यम से भारतीय भाषा को सीखना) हृदी सीखने के लयि **एकमल्टीमीडिया आधारित स्व-शिक्षण अनुप्रयोग** है ।
- ई-सरल हृदी वाक्य कोश और ई-महाशब्दकोश मोबाइल एप, राजभाषा वभिग की दोनों पहलों का उद्देश्य हृदी के विकास के लयि सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग करना है ।
- राजभाषा गौरव पुरस्कार और राजभाषा कीर्तिपुरस्कार हृदी भाषा के विकास में योगदान देने वालों को प्रदान कयि जाते हैं ।

### हृदी भाषा:

- हृदी विश्व की चौथी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है और देवनागरी लिपि में लिखी जाती है । भाषा का नाम फारसी शब्द 'हृदि' से मलित- जिसका अर्थ है 'सधु नदी की भूमि'; और संस्कृत के वंशज हैं ।
- 11वीं शताब्दी की शुरुआत में तुर्की के आक्रमणकारियों ने सधु नदी के आसपास के क्षेत्र की भाषा को हृदी यानी 'सधु नदी की भूमि की भाषा' नाम दिया ।
- यह भारत की आधिकारिक भाषा है, जबकि अंग्रेज़ी दूसरी आधिकारिक भाषा है ।
- भारत के बाहर कुछ देशों में भी हृदी बोली जाती है, जैसे मॉरीशस, फ़िजी, सूरीनाम, गुयाना, त्रिनिदाद और टोबैगो एवं नेपाल आदि ।
- हृदी अपने वर्तमान स्वरूप में वभिन्न अवस्थाओं के माध्यम से उभरी, जिसके दौरान इसे अन्य नामों से जाना जाता था । पुरानी हृदी का सबसे प्रारंभिक रूप अपभ्रंश था । 400 ईस्वी में कालिदास ने अपभ्रंश में 'विक्रमोर्वशयिम' नामक नाटक लिखा ।
- आधुनिक देवनागरी लिपि 11वीं शताब्दी में अस्तित्व में आई ।

[स्रोत: हृदिसतान टाइम्स](#)

